Publication	**Hindustan Times**	**Language**	English
Edition	New Delhi	**Journalist**	Bureau
Date	25/01/2025	**Page no**	19
CCM	25.71		

Shah inaugurates new projects in Nashik distt

Shah inaugurates new projects in Nashik distt

HTC and agencies

letters@hindustantimes.com

NASHIK: Union home and cooperation minister Amit Shah on Friday inaugurated multiple initiatives aimed at strengthening the cooperative sector at the Cooperative Conference held in Nashik district of Maharashtra, a statement from the Centre said.

The conference was attended by several distinguished personalities, including Union MoS for cooperation Murlidhar Mohol and Maharashtra deputy chief minister Eknath Shinde.

In his address, Shah highlighted that former prime minister Lal Bahadur Shastri had coined the slogan "*Jai Jawan, Jai Kisan*," emphasising the empowerment of farmers, agricultural labourers, and the armed forces.

Shah pointed out that to emphasise on the importance of science, Prime Minister Narendra Modi had included "Jai Vigyan" to the famous slogan of "Jai Jawan Jai Kisan".

He insisted a strong cooperative sector denotes being "Atmanirbhar" (self-reliant) in the truest sense. Shah said there are 118,000 members in the sector and his government had resolved several pending issues of the cooperation department, which was set up in July 2021.

Amit Shah launched a slew of projects in Nashik on Friday. PTI

"Tax worth ₹46,000 crore of sugar mills has been reduced. New godowns have been set up, loans have been disbursed, steps have been taken for ethanol blending," he emphasised.

He also virtually inaugurated the Venkateshwara Cashew Processing Factory in Belgaon, which will process 24 tonnes of cashews daily, ensuring fair prices for 18,000 farmers engaged in cashew cultivation.

Downloaded from
SAMVAD

Publication	**Amar Ujala**	**Language**	Hindi
Edition	New Delhi	**Journalist**	Bureau
Date	25/01/2025	**Page no**	16
CCM	96.79		

Tax burden of sugar mills reduced by Rs 46 thousand crores, what did the opposition do: Shah

चीनी मिलों का 46 हजार करोड़ का कर बोझ घटाया, विपक्ष ने क्या किया : शाह

केंद्रीय सहकारिता मंत्री बोले- सहकारी क्षेत्र के बिना समृद्ध नहीं हो सकते किसान

अमर उजाला ब्यूरो

नासिक/मुंबई। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि एक मजबूत सहकारी क्षेत्र सही मायने में आत्मनिर्भर होने का संकेत है। इसके बगैर किसान आत्मनिर्भर और समृद्ध नहीं हो सकते। शाह ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए सवाल उठाया कि आखिर उसने सहकारिता क्षेत्र को प्रोत्साहन देने के क्या कदम उठाए। साथ ही, कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में उनका मंत्रालय सहकार से समृद्धि को साकार करने में जुटा है।

महाराष्ट्र के एक दिन के दौरे पर पहुंचे शाह ने पहले नासिक और फिर मुंबई में सहकारिता पर आयोजित सम्मेलन में उपलब्धियां गिनाते हुए कहा कि उनकी सरकार ने चीनी मिलों पर 46 हजार करोड़ का टैक्स बोझ घटाया है। लेकिन एनसीपी (एसपी) प्रमुख शरद पवार ने कांग्रेस के नेतृत्व वाली यूपीए सरकार में कृषि मंत्री रहते हुए क्या किया था। शाह ने कहा, सिर्फ नेता बनना काफी नहीं होता है, आपको जमीन पर भी काम करने की जरूरत पड़ती है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में सहकारिता क्षेत्र आने वाले दिनों में कृषि एवं ग्रामीण क्षेत्र के लिए रोजगार और समृद्धि का मार्ग प्रशस्त करेगा

उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष के दौरान सहकारी संस्थाओं की समृद्धि, सहकारिता की पहुंच बढ़ाने और हर व्यक्ति को सहकारिता से जोड़ने के प्रयास किए जाएंगे। भारत का सहकारिता क्षेत्र, सामाजिक समरसता, समानता और समावेशिता के सिद्धांतों के साथ आगे बढ़ रहा है। उन्होंने बताया कि मोदी सरकार ने राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम (एनसीडीसी) के माध्यम से देश की कई कोऑपरेटिव चीनी मिलों को 10 हजार करोड़ रुपए का ऋण दिया। महाराष्ट्र में सहकारी चीनी मिलों में 15 हजार करोड़ रुपये आयकर विवाद को भी मोदी सरकार ने ही समाप्त कराया। शाह ने कहा कि विज्ञान के महत्व पर जोर देने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री के जय जवान जय किसान के मशहूर नारे में जय विज्ञान को भी शामिल किया है। जब विज्ञान सहकारी क्षेत्र का हिस्सा होता है तो कृषि एक लाभदायक व्यवसाय बन जाती है। उन्होंने कहा कि सारी प्राथमिक कृषि ऋण समितियों (पीएसीएस) का कम्प्यूटराइजेशन किया जा रहा है, कोऑपरेटिव सेक्टर के माध्यम से देश मे गोदाम बनाए जा रहे हैं और पीएसीएस को बहुआयामी बनाने का काम भी किया गया है।

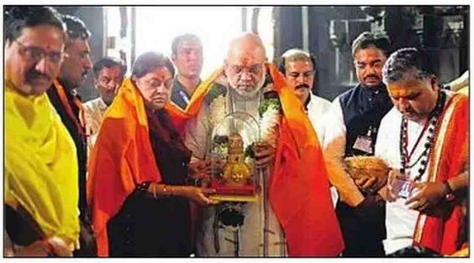

त्र्यंबकेश्वर के किए दर्शन...गृह मंत्री अमित शाह त्र्यंबकेश्वर मंदिर भी पहुंचे। उन्होंने 12 ज्योतिर्लिंग में शामिल त्र्यंबकेश्वर मंदिर में पूजा-अर्चना की।

सहकारी क्षेत्र को अलग पहचान दिलाएंगे

शाह ने कहा कि देशभर में सहकारिता में सहयोग के सिद्धांत पर चल सहकारिता क्षेत्र आर्थिक दृष्टि से आत्मनिर्भर होगा। केंद्र और पश्चिमी राज्य में भाजपा के नेतृत्व वाली सरकारें सहकारी क्षेत्र को अलग पहचान दिलाएंगी और चमकाएंगी, ठीक उसी तरह जैसे भारत के आध्यात्मिक इतिहास में प्राचीन शहर काशी (वाराणसी) को महत्व प्राप्त है। भारत को दुनिया की तीसरे नंबर की आर्थिक शक्ति और 2047 तक पूर्ण विकसित राष्ट्र बनाने के लक्ष्य की प्राप्ति में सहकारिता क्षेत्र का बहुत बड़ा योगदान होगा।

किसान ऑर्गेनिक खेती अपनाएं...शाह ने किसानों को ऑर्गेनिक खेती के लिए प्रेरित किया और कहा कि जब तक किसानों को ऑर्गेनिक प्रोडक्ट का सर्टिफिकेट नहीं मिलता, तब तक उन्हें ऑर्गेनिक प्रोडक्ट के दाम नहीं मिलते। सहकारिता मंत्रालय ने नेशनल कोऑपरेटिव ऑर्गेनिक लिमिटेड नाम की संस्था बनाई है। यह मल्टीनेशनल संस्था है जो ऑर्गेनिक सर्टिफिकेट वाले किसानों की सारी उपज उनसे खरीद कर बाजार में बेचती है और उससे प्राप्त मुनाफे को सीधा किसानों के बैंक अकाउंट में ट्रांसफर करवाती है।

अहम साबित होंगी तीन कोऑपरेटिव

शाह ने कहा कि भारत सरकार ने किसानों के प्रोडक्ट के निर्यात, प्रमाणिक मीठे बीजों के संरक्षण, ज्यादा उपज वाले बीजों का उत्पादन करने के लिए और ऑर्गेनिक उत्पादों की पैकेजिंग, मार्केटिंग, और ब्रांडिंग के लिए तीन नई मल्टीस्टेट कोऑपरेटिव बनाई है। तीनों कोऑपरेटिव संस्थाएं अगले 10 साल में इस देश के किसानों के लिए काफी महत्वपूर्ण साबित होंगी।

राष्ट्रीय सहकारिता विवि बनेगा...शाह ने कहा कि सरकार आगामी बजट सत्र में गुजरात के महान सहकारिता नेता त्रिभुवन दास पटेल के नाम पर त्रिभुवन राष्ट्रीय सहकारिता विश्वविद्यालय की स्थापना की घोषणा करेगी, जो सभी क्षेत्रों के लिए हमें प्रोफेशनल उपलब्ध कराएगी। शाह ने बताया कि सात प्रमुख क्षेत्रों- पैक्स, डेयरी, मत्स्यपालन, अर्बन कोऑपरेटिव बैंक, आवास क्रेडिट सोसायटी, क्रेडिट कोऑपरेटिव और खादी ग्रामोद्योग में हम रैंकिंग के साथ आगे बढ़ेंगे। इसके तहत ऑडिट, गतिविधियां, सेवाएं, वित्तीय प्रदर्शन, आधारभूत संरचना और ब्रांडिंग जैसे कई मानक तय किए हैं, जिनको मिलाकर 100 अंक रखे गए हैं।

सहकारी बैंकों में मिलेंगी हर तरह की सुविधाएं

शाह ने मुंबई में राष्ट्रीय शहरी सहकारी वित्त एवं विकास निगम के कॉर्पोरेट कार्यालय का उद्घाटन भी किया। उन्होंने कहा, हमारे सभी सहकारी बैंक अगले तीन साल में राष्ट्रीय बैंकों और निजी बैंकों की तरफ से जाने वाली सभी सेवाओं से युक्त हो जाएंगे जिनसे हमारी सेवाओं का विस्तार होगा। इसके साथ-साथ संसाधनों का बेहतर उपयोग, बैंकिंग प्रक्रिया में सुधार और सभी कोऑपरेटिव बैंकों के अकाउंटिंग सिस्टम को एक करना इसका लक्ष्य रहेगा।

Downloaded from
SAMVAD

Publication	**Dainik Bhaskar**	**Language**	Hindi
Edition	New Delhi	**Journalist**	Bureau
Date	25/01/2025	**Page no**	13
CCM	10.96		

Just being a leader is not enough, there is a need to work on the ground: Shah

सिर्फ नेता बनना काफी नहीं, जमीन पर काम करने की जरूरतः शाह

भास्कर न्यूज | नई दिल्ली

केंद्रीय सहकारिता मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कहा कि विज्ञान के सहकारी क्षेत्र का हिस्सा बनने पर कृषि एक लाभदायक व्यवसाय बन जाता है। इसके साथ ही शाह ने राकांपा (एसपी) प्रमुख शरद पवार पर कांग्रेस के नेतृत्व वाली संप्रग सरकार में कृषि मंत्री रहते हुए उनके योगदान पर सवाल उठाया। उत्तर महाराष्ट्र के नासिक जिले के मालेगांव में सहकारिता क्षेत्र की एक बैठक को संबोधित करते हुए शाह ने कहा सिर्फ नेता बनना ही काफी नहीं है, आपको जमीन पर भी काम करने की जरूरत होती है।

Downloaded from
SAMVAD

Publication	**Dainik Jagran**	**Language**	Hindi
Edition	New Delhi	**Journalist**	Bureau
Date	25/01/2025	**Page no**	14
CCM	40.53		

National Cooperative University will be established in this budget: Amit Shah

नेशनल कोआपरेटिव विश्वविद्यालय की स्थापना इसी बजट में होगी : अमित शाह

- गृह मंत्री ने कहा-सभी कोआपरेटिव बैंकों को एक ही प्लेटफार्म पर लाएंगे
- शहरी सहकारी बैंकों की नई शाखाएं खुलेंगी,सहकारिता का काशी बनेगा महाराष्ट्र

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पत्नी सोनल शाह के साथ शुक्रवार को महाराष्ट्र के नासिक स्थित त्रयंबकेश्वर मंदिर में दर्शन-पूजन किया● प्रेट्र

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली : केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने मुंबई में राष्ट्रीय शहरी सहकारी वित्त एवं विकास निगम (एनयूसीएफडीसी) के कारपोरेट कार्यालय के उद्घाटन के साथ दस हजार बहुउद्देशीय सहकारी समितियों (पैक्सों) के प्रशिक्षण कार्यक्रम की शुरुआत की। मुंबई में उन्होंने महाराष्ट्र को सहकारिता क्षेत्र का काशी बनाने का वादा करते हुए कहा कि सरकार नेशनल कोआपरेटिव विश्वविद्यालय की स्थापना भी इसी बजट में करने जा रही है।

अमित शाह ने शुक्रवार को अर्बन को-आपरेटिव बैंकों के व्यवसाय को आसान बनाने के लिए अंब्रेला संगठन के रूप में एनयूसीएफडीसी की स्थापना की गई है। एनयूसीएफडीसी के बारे में बताया कि इससे शहरी सहकारी बैंकों को बहुआयामी फायदा होगा। इसके जरिये निजी एवं सरकारी कापरेटिव बैंकों को एक प्लेटफार्म मिलेगा, जो सभी सेवाओं से समृद्ध होंगे। डिजिटल तरीके से विदेश से कारोबार भी कर सकेंगे। शाह ने बताया कि अभी 1465 शहरी सहकारी बैंक हैं। बहुत वर्षों से सहकारी बैंकों की एक भी ब्रांच नहीं खुली थी, लेकिन अब शुरुआत है। देश में आठ लाख 25 हजार से ज्यादा सहकारी संस्थाएं हैं।

'शरद पवार ने कुछ नहीं किया': शाह ने राकांपा प्रमुख पर सीधा आक्रमण किया। कहा कि शरद पवार जब कृषि मंत्री थे तो उन्होंने सहकारिता क्षेत्र के लिए कुछ भी नहीं किया। वह केंद्र सरकार में दस वर्षों तक कृषि मंत्री रहे।

Downloaded from
SAMVAD

Publication	**Punjab Kesri**	**Language**	Hindi
Edition	New Delhi	**Journalist**	Bureau
Date	25/01/2025	**Page no**	2
CCM	22.17		

Agriculture benefits if science is connected with cooperative sector: Amit Shah

विज्ञान के सहकारी क्षेत्र से जुड़ने पर कृषि फायदे में : अमित शाह

शरद पवार पर भी सवाल

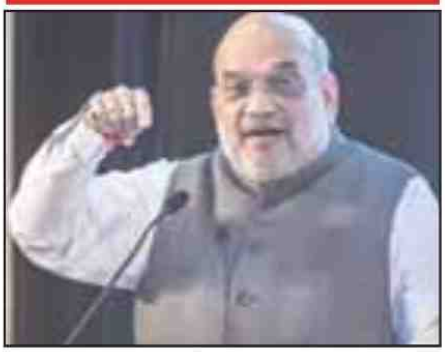

मा ले गां व , (पंजाब केसरी): केंद्रीय सहकारिता मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कहा कि विज्ञान के सहकारी क्षेत्र का हिस्सा बनने पर कृषि एक लाभदायक व्यवसाय बन जाती है।

इसके साथ ही शाह ने राकांपा (एसपी) प्रमुख शरद पवार पर कांग्रेस के नेतृत्व वाली संप्रग सरकार में कृषि मंत्री रहते हुए उनके योगदान पर सवाल उठाया। उत्तर महाराष्ट्र के नासिक जिले के मालेगांव में सहकारिता क्षेत्र की एक बैठक को संबोधित करते हुए शाह ने कहा, ''सिर्फ नेता बनना ही काफी नहीं है, आपको जमीन पर भी काम करने की जरूरत होती है।''

शाह ने कहा कि विज्ञान के महत्व पर जोर देने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री के 'जय जवान जय किसान' के मशहूर नारे में 'जय विज्ञान' को भी शामिल किया है। केंद्रीय गृह मंत्रालय का भी दायित्व संभालने वाले शाह ने कहा कि जब विज्ञान सहकारी क्षेत्र का हिस्सा होता है तो कृषि एक लाभदायक व्यवसाय बन जाती है।

उन्होंने कहा कि जैविक कृषि उत्पादों की पैकेजिंग एवं विपणन के लिए सहकारिता मंत्रालय के तहत एक अलग इकाई 'भारत सहकारी ऑर्गेनिक्स लिमिटेड' (आधिकारिक तौर पर राष्ट्रीय सहकारी ऑर्गेनिक्स लिमिटेड) की स्थापना की गई है।

Downloaded from
SAMVAD